रयत शिक्षण संस्था संचलित,

राजर्षि छत्रपति शाहु कॉलेज, कोल्हापुर

हिंदी विभाग, मराठी विभाग तथा IQAC (अंतर्गत गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ) के संयुक्त तत्त्वावधान में 20 अप्रैल, 2022 को ' हिंदी और मराठी साहित्य पर भूमंडलीकरण का प्रभाव' इस विषय पर ऑनलाईन एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

अहवाल

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्घाटन समारोह का प्रारंभ रयत गीत से किया गया। संयोजक डॉ. आर.सी.पाटील जी ने प्रास्ताविक एवं बिजभाषक का परिचय दिया । प्र-प्रधानाचार्य प्रो.व्ही.व्ही. किल्लेदार जी ने शुभसन्देश में रयत शिक्षा संस्था की विस्तृत जानकारी दी । साथ ही राष्ट्रीय संगोष्ठी को बधाई दी । बिजभाषक मधु कांकरिया जी ने बाजारवादी व्यवस्था में युवा वर्ग का बदलता जीवन साहित्य में यथार्थ रूप में चित्रित किया है । संयोजक डॉ. एस.जे. आवळे जी ने बिजभाषक डॉ.रणधीर शिंदे जी का परिचय दिया। डॉ. रणधीर शिंदे जी ने बाजारवाद के परिणामस्वरूप अमीर गरीब की बढ़ती दूरियाँ और बेरोजगारी की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

प्रथम सत्र के प्रारंभ में डॉ.एन.ए. देसाई जी ने विषय विशेषज्ञ और अध्यक्ष जी का परिचय दिया । किसान विमर्श के विशेषज्ञ प्रो.डॉ. गिरिश काशिद जी ने हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से लेकर अब तक के किसान विमर्श को विस्तृत रूप से व्यक्त किया । आदिवासी एवं दलित विमर्श के विषय विशेषज्ञ डॉ. नाजिम शेख जी ने दलित साहित्य का प्रारंभ और आवश्यकता को विश्लेषित किया। नारी विमर्श की विषय विशेषज्ञ डॉ. सुरेखा मंत्री जी साहित्य में नारी के विभिन्न प्रकार के बारे में और महिला रचनाकारों की विशेष रचनाओं को लेकर विमर्श किया । पेपर प्रस्तुतिकरण सत्र के अध्यक्ष डॉ.सजंय चिंदगे जी ने लगभग दस अध्यापक एवं छात्रों ने प्रपत्र प्रस्तुत किया। अध्यक्ष चिंदगे जी ने सभी प्रपत्र पाठकों की प्रशंसा करते हुए हौसला बढ़ाया ।

समापन समारोह के अतिथि और अध्यक्ष जी का परिचय लैफ्ट. डॉ. आर.सी. पाटील जी ने किया । अतिथि प्रो.डी.आर.भोसले जी ने साहित्य में हो रहे बदलाव को अधोरेखित किया । अध्यक्षीय मंतव्य में डॉ.एस.पी.पवार जी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के विमर्श की आवश्यकता और महत्व को विशद किया । इस समारोह में ऑनलाइन रूप से लगभग एक सौ तीस प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । प्रस्तुत समारोह का सूत्रसंचालन प्रा.एन.पी.साठे जी ने किया ।

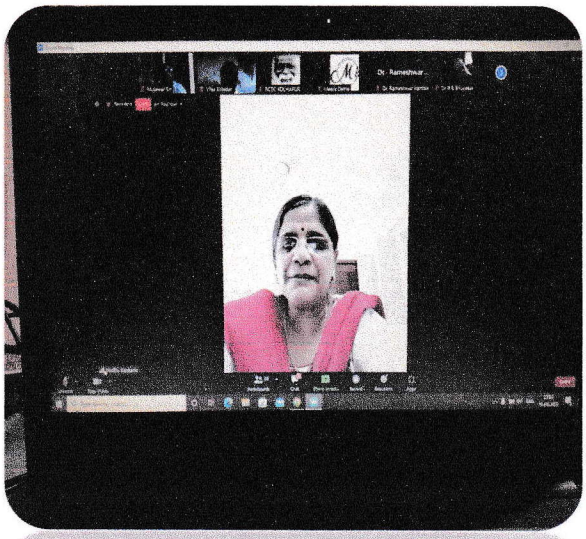

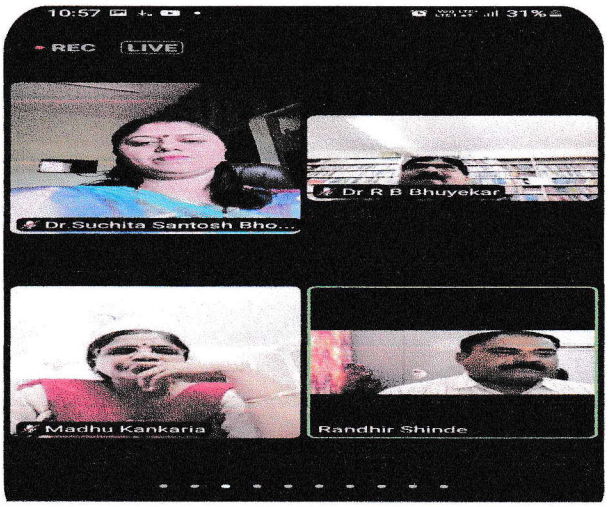

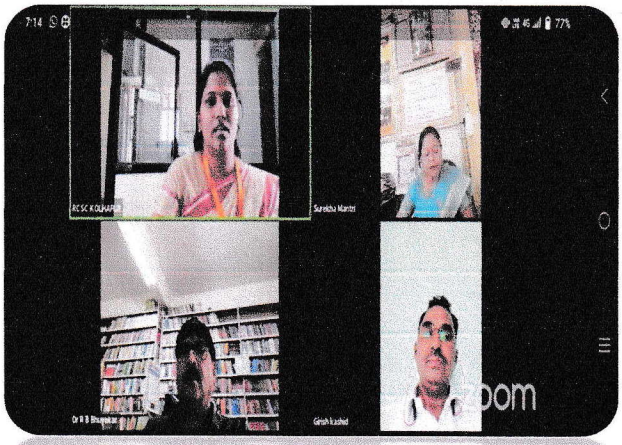

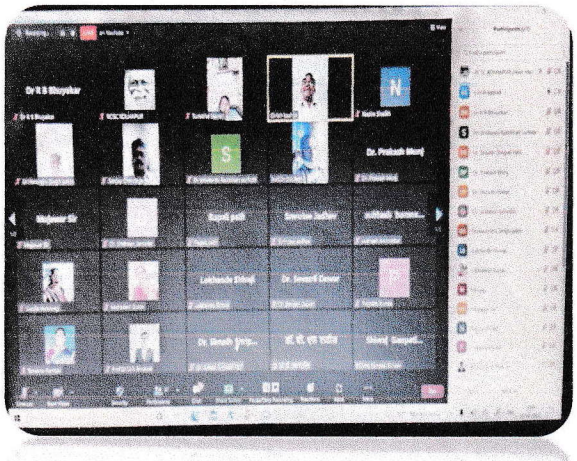

समन्वयक
हिंदी विभाग
राजर्षि छत्रपति शाहू कॉलेज, कोल्हापूर.

समन्वयक
प्रा. डॉ. सिंधू जयवंत आवळे
मराठी, विभाग प्रमुख

प्रधानाचार्य
प्राचार्य,
राजर्षी छ. शाहू कॉलेज
कोल्हापूर.

राजर्षी छत्रपती शाहू कॉलेज कोल्हापूर